पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

भगवान बुद्ध की समरसता का विचार आज भी प्रासंगिक है - राज्यपाल

लखनऊ: 04 मई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर रिसालदार पार्क में बुद्ध विहार एवं भारतीय बौद्ध समिति, लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भगवान बुद्ध का शाश्वत संदेश बुद्धं शरणं गच्छामि ने ज्ञान और बुद्धि के आधार पर लोगों को जोड़ा है। उस समय की सामाजिक स्थिति ठीक नहीं थी। जाति एवं भेदभाव के कारण समाज में कडवाहट व्याप्त थी। भगवान बुद्ध ने वैचारिक आंदोलन के माध्यम से बुद्धि के आधार पर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपनी तपस्या, धर्म की व्याख्या और चिन्तन के आधार पर निकले निष्कर्ष को समाज के सामने रखा तो बौद्ध धर्म जनप्रिय हो गया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की विशेषता थी कि उन्होंने ज्ञान वितरित किया।

श्री नाईक ने कहा कि भगवान बुद्ध ने बुद्धि के शुद्धिकरण के लिए जो आठ बिन्दु बताये है उन्हें अष्टांग मार्ग के नाम से जाना जाता है। भगवान बुद्ध ने सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वाणी, सम्यक् कर्म, सम्यक् आजीविका, सम्यक् व्यायाम और सम्यक् समाधि पर जोर दिया। गौतम बुद्ध का दर्शन आध्यात्म पर आधारित नहीं था बल्कि व्यक्ति की दिन-प्रतिदिन की समस्याओं से भी सम्बद्ध था। मानव के प्रति उनकी अपार करूणा व निष्ठुरता को पिघला देने वाली गहन संवेदना समाज के लिए संजीवनी है। आज का जीवन तनाव, विग्रह और हिंसा से परिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की समरसता का विचार आज भी प्रासंगिक है।

राज्यपाल ने बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने बाबा साहब को देखा भी है और उनसे संवाद करने का भी उन्हें सौभाग्य प्राप्त है। बाबा साहब के स्पष्ट विचार और समाज के बारे में चिन्तन अद्वितीय था। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का स्मारक इन्दू मिल में जल्द से जल्द बने ऐसी उनकी इच्छा है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया तथा निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय बौद्व शोध संस्थान, डा॔0 योगेन्द्र सिंह द्वारा पाली-संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी में बहुभाषी शब्दकोष का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति खेमकरन, पूर्व महापौर डा॔0 दाऊजी गुप्ता, भदन्त ग0 प्रज्ञानंद, अन्य भिक्षुगण व श्रद्धालुजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति खेमकरन सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। पूर्व महापौर, दाऊजी गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Pali
Pali